मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 12

अनुक्रमांक

नाम

901 801(MF)

2020

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 70

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए : 1

i) 'गोदान' प्रेमचन्द का प्रसिद्ध महाकाव्य है ।

ii) 'हजारी प्रसाद द्विवेदी' एक ख्यातिलब्ध कवि हैं ।

iii) 'संस्कृति के चार अध्याय' रामधारी सिंह 'दिनकर' की कृति है ।

iv) 'ममता' कहानी के लेखक 'जयप्रकाश भारती' हैं ।

ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी **एक** रचना के लेखक का नाम लिखिए : 1

i) चिन्तामणि

ii) आकाशदीप

iii) हिमालय की पुकार

iv) मेरी आत्मकथा ।

ग) 'जहाज का पंछी' के लेखक का नाम लिखिए । 1

घ) 'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक का नाम लिखिए । 1

ङ) 'शुक्लोत्तर युग' के किसी एक लेखक का नाम लिखिए । 1

2. क) रीतिमुक्त कवियों में से किसी एक कवि का नामोल्लेख कीजिए । 1

ख) प्रगतिवादी काव्य की किन्हीं दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए । 2

ग) प्रयोगवादी काव्य धारा के किन्हीं दो कवियों का नाम लिखिए । 2

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी **एक** के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 + 2

क) 'विश्वासपात्र मित्र से भारी रक्षा रहती है । जिसे ऐसा मित्र मिल जाये, उसे समझना चाहिए कि खजाना मिल गया ।' विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषधि है । हमें अपने मित्रों से यह आशा रखनी चाहिए कि वे उत्तम संकल्पों में हमें दृढ़ करेंगे, दोषों और त्रुटियों से हमें बचायेंगे, हमारे सत्य, पवित्रता और मर्यादा के प्रेम को पुष्ट करेंगे, जब हम कुमार्ग पर पैर रखेंगे, तब वे हमें सचेत करेंगे, जब हम हतोत्साहित होंगे, तब वे हमें उत्साहित करेंगे ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) लेखक ने अच्छे मित्र के क्या-क्या कर्तव्य बताये हैं ?

ख) जो तरुण संसार के जीवन-संग्राम से दूर हैं, उन्हें संसार का चित्र बड़ा ही मनमोहक प्रतीत होता है, जो वृद्ध हो गये हैं, जो अपनी बाल्यावस्था और तरुणावस्था से दूर हट आए हैं, उन्हें अपने अतीत काल की स्मृति बड़ी सुखद लगती है । वे अतीत का ही स्वप्न देखते हैं । तरुणों के लिए जैसे भविष्य उज्ज्वल होता है, वैसे ही वृद्धों के लिए अतीत । वर्तमान से दोनों को असन्तोष होता है । तरुण भविष्य को वर्तमान में लाना चाहते हैं और वृद्ध अतीत को खींचकर वर्तमान में देखना चाहते हैं । तरुण क्रान्ति के समर्थक होते हैं और वृद्ध अतीत-गौरव के संरक्षक । इन्हीं दोनों के कारण वर्तमान सदैव क्षुब्ध रहता है और इसी से वर्तमान काल सदैव सुधारों का काल बना रहता है ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) तरुण और वृद्ध दोनों क्या चाहते हैं ?

4. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी **एक** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए तथा काव्य सौन्दर्य भी लिखिए : 1 + 4 + 1

क) ऊधौ मोहिं ब्रज बिसरत नाहीं ।
वृन्दाबन गोकुल बन उपवन, सघन कुँज की छाहीं ।।
प्रात समय माता जसुमति अरु नंद देखि सुख पावत ।।
माखन रोटी दह्यौ सजायौ, अति हित साथ खवावत ।।
गोपी ग्वाल बाल संग खेलत, सब दिन हँसत सिरात ।
सूरदास धनि-धनि ब्रजवासी, जिनसौं हित जदु-तात ।।

ख) सच्चा प्रेम वही है जिसकी
तृप्ति आत्मबलि पर हो निर्भर ।
त्याग बिना निष्प्राण प्रेम है,
करो प्रेम पर प्राण निछावर ।।
देश-प्रेम वह पुण्य-क्षेत्र है,
अमल असीम त्याग से विलसित
आत्मा के विकास से जिसमें,
मनुष्यता होती है विकसित ।।

5. क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** लेखक का जीवन-परिचय दीजिए एवं उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1
i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
ii) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
iii) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी ।

ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1
i) तुलसीदास
ii) बिहारीलाल
iii) मैथिलीशरण गुप्त ।

6. निम्नलिखित संस्कृत-गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1 + 3

वाराणस्यां प्राचीनकालादेव गेहे गेहे विद्यायाः दिव्यं ज्योतिः द्योतते । अधुनाऽपि अत्र संस्कृतवाग्धारा सततं प्रवहति, जनानां ज्ञानञ्च वर्द्धयति । अत्र अनेके आचार्याः मूर्धन्याः विद्वांसः वैदिकवाङ्मयस्य अध्ययने-अध्यापने च इदानीं निरताः । न केवलं भारतीयाः अपितु वैदेशिकाः गीर्वाणवाण्याः अध्ययनाय अत्र आगच्छन्ति, निःशुल्कं च विद्यां गृह्णन्ति । अत्र हिन्दूविश्वविद्यालयः, संस्कृतविश्वविद्यालयः, काशीविद्यापीठम् इत्येते त्रयः विश्वविद्यालयाः सन्ति, येषु नवीनानां प्राचीनानाञ्च ज्ञान-विज्ञानविषयाणाम् अध्ययनम् प्रचलितः ।

अथवा

रे रे चातक ! सावधान मनसा मित्र ! क्षणं श्रूयताम् ।
अम्भोदा बहवो हि सन्ति गगने सर्वेऽपि नैतादृशाः ।।
केचिद् वृष्टिभिरार्द्रयन्ति वसुधां गर्जन्ति केचिद् वृथा ।
यं यं पश्यसि तस्य तस्य पुरतो मा ब्रूहि दीनं वचः ।।

7. क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई **एक** श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो 2

ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1 + 1

i) वाराणसी कस्य संगमस्थली अस्ति ?

ii) वीरः केन पूज्यते ?

iii) ज्ञानं कुत्र सम्भवति ?

iv) पुरुराजः केन सह युद्धम् अकरोत् ?

8. क) 'हास्य' रस **अथवा** 'करुण' रस की परिभाषा सोदाहरण लिखिए । 2

ख) 'रूपक' अलंकार **अथवा** 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण तथा उदाहरण दीजिए । 2

ग) 'सोरठा' **अथवा** 'रोला' की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए । 2

9. क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं **तीन** के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1 + 1

i) अधि

ii) अनु

iii) अन

iv) अप

v) अभि

vi) परि ।

ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1

i) आई

ii) पन

iii) हट

iv) त्व

v) ता ।

ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के समास-विग्रह कीजिए तथा समास के नाम लिखिए : 1 + 1

i) नीलकमल

ii) नवरत्न

iii) पाप-पुण्य

iv) लम्बोदर ।

घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के तत्सम रूप लिखिए : 1 + 1

i) कान

ii) मक्खी

iii) भाप

iv) मोर

v) पतोहू ।

ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1 + 1

i) बादल

ii) कमल

iii) पृथ्वी

iv) घोड़ा ।

10\. क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में सन्धि-विच्छेद कीजिए और सन्धि का नाम लिखिए : 1 + 1

i) तदैव

ii) महौषधि:

iii) इत्यादि

iv) स्वागतम् ।

ख) निम्नलिखित शब्दों के षष्ठी विभक्ति, बहुवचन रूप लिखिए : 1 + 1

i) मति **अथवा** फल

ii) तद् (पुल्लिंग) **अथवा** युष्मद् (तुम) ।

ग) निम्नलिखित में से किसी **एक** की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए : 2

i) अपठम्

ii) हसामि

iii) पचानि

iv) हसेतम् ।

घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** के संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 1 + 1

i) सभी लोग सुखी हों ।

ii) बालिकाएँ खेल रही हैं ।

iii) सुभाषचन्द्र बोस देशभक्त थे ।

iv) गंगा हिमालय से निकलती है ।

v) काशी संस्कृत भाषा का केन्द्र है ।

11\. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

i) देश-प्रेम

ii) स्वच्छ भारत अभियान

iii) मेरा प्रिय साहित्यकार

iv) अनुशासन की महत्ता

v) योग शिक्षा का महत्व ।

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : 3

क) i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक गाँधीजी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

ख) i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए ।

ग) i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर तृतीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

घ) i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के षष्ठ सर्ग 'राम-भरत-मिलन' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

ङ) i) 'कर्ण' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए ।

ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

च) i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर 'आयोजन' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

ii) 'अग्रपूजा' के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

छ) i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर काव्य के नायक 'लक्ष्मण' का चरित्रांकन कीजिए ।

ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए ।

ज) i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में संक्षेप में लिखिए ।

ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर स्वतन्त्रता आन्दोलन के महान सेनानी चन्द्रशेखर 'आजाद' की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए ।

झ) i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के किसी एक सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाष चन्द्र बोस का चरित्र-चित्रण कीजिए ।